रविवार को भी हुई राजनीतिक नियुक्तियां

▸ रविंद्र सोलंकी उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष बने

नवभारत समाचार

भोपाल, 26 अप्रैल. मध्यप्रदेश के विभिन्न निगमों, मंडलों और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों का क्रम जारी है और रविवार को उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष की जिम्मेदारी रविंद्र सोलंकी को दी गयी.

इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग की ओर से आदेश जारी किए गए हैं. प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मुकेश यादव और रवि वर्मा बनाए गए हैं, जबकि विजय अग्रवाल, अमित श्रीवास्तव, रामचंद्र शर्मा, श्रीमती सुशीला जाटवा और श्रीमती दुर्गा बिलोटिया को सदस्य पद की जिम्मेदारी सौंपी गयी है.

राजनैतिक नियुक्तियों का क्रम पिछले तीन चार दिनों से चल रहा है और इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ यादव की प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के अलावा अन्य संबंधित नेताओं से कई दौर की मंत्रणा हुई है.

महेंद्र यादव अपेक्स बैंक के प्रशासक बने

महेंद्र सिंह यादव, निवासी मोहनपुर, मुरार, ग्वालियर को अपेक्स बैंक के प्रशासक के पद पर नियुक्त करने के आदेश प्रसारित किये हैं. यादव बड़ागॉव सोसाइटी के सदस्य हैं. उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई 2025 से प्रमुख सचिव सहकारिता डी.पी.आहूजा इस पद पर पदस्थ थे.

अशोक शर्मा होंगे ग्वालियर साडा के अध्यक्ष

राज्य सरकार ने ग्वालियर के विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण -साडा- के अध्यक्ष के रूप में अशोक शर्मा को नियुक्त किया है. इसके उपाध्यक्ष हरीश मेवाफरोश होंगे. वहीं ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया और उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता एवं वेदप्रकाश शिवहरे होंगे.

अमरकंटक विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राजेंद्र भारती

सरकार ने अमरकंटक विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के तौर पर राजेंद्र भारती को नियुक्त किया है. सरकार ने सभी नियुक्तियां कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी आदेश तक के लिए की हैं.

विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र आज

डॉ. यादव महिलाओं के आरक्षण और परिसीमन के संबंध में पेश करेंगे संकल्प

नवभारत समाचार

भोपाल, 26 अप्रैल. संसदीय निकायों में महिलाओं के आरक्षण और संसदीय व विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के मुद्दे पर केंद्रित मध्यप्रदेश विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र सोमवार को आयोजित किया गया है.

सत्र की तैयारियों को रविवार को अंतिम स्वरूप दे दिया गया. सोमवार को सदन में मुख्यमंत्री एवं सदन के नेता डॉ मोहन यादव एक शासकीय संकल्प पेश करेंगे, जिसके माध्यम से महिलाओं के सर्वांगीण विकास और उनके सशक्तिकरण के लिए देश की संसद और सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण, परिसीमन की प्रक्रिया पूरी कर लागू करने का अनुरोध किया जाएगा. इस शासकीय संकल्प पर दिनभर चर्चा होगी और इसके लिए सत्तारूढ़ दल भाजपा के साथ ही मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों ने तैयारियां की हैं. भाजपा की ओर से इस संकल्प पर चर्चा के लिए महिलाओं को भी प्राथमिकता देने की रणनीति अपनाने की बात सामने आई है. विधानसभा सचिवालय के अनुसार सदन की कार्यवाही के प्रारंभ में दिवंगत पूर्व सदस्यों के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्रियों और प्रमुख हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी.

18 माह में बनकर तैयार होंगे दोनों एलिवेटेड ब्रिज

- टेंडर खुले, रवि इंफ्रा सबसे कम बोली के साथ आगे
- 416 करोड़ की परियोजना में 300 करोड़ की पेशकश
- तकनीकी जांच के बाद जल्द जारी होगा वर्क ऑर्डर

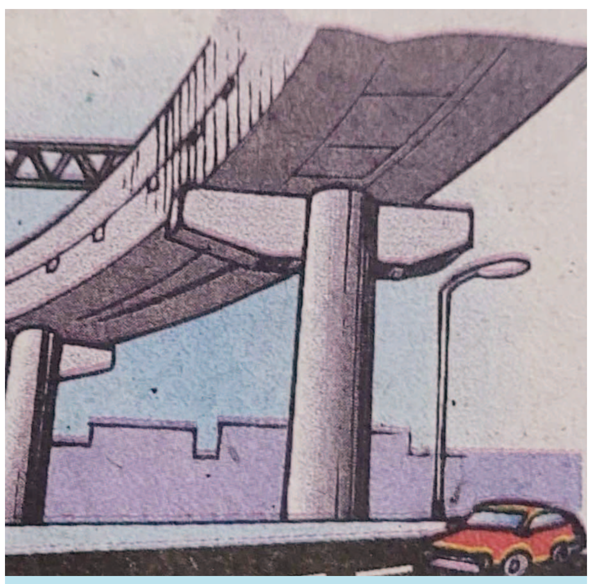

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ-2028 के मद्देनजर तैयार की गई एलिवेटेड ब्रिज परियोजना के टेंडर खुल गए हैं और चार कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा में रवि इंफ्रा सबसे कम बोली लगाकर आगे निकल आई है. विभागीय प्रक्रिया के अनुसार अब तकनीकी और वित्तीय परीक्षण के बाद कार्य आदेश जारी होने की स्थिति बनेगी. दोनों ब्रिज को बनाने की अवधि 18 माह तय की गई है.

करीब 416 करोड़ रुपए की इस महत्वाकांक्षी योजना को रवि इंफ्रा ने लगभग 300 करोड़ रुपए में पूरा करने की पेशकश की है. कम दर पर काम करने की तैयारी के कारण कंपनी को सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है. उल्लेखनीय है कि यही एजेंसी उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन और हरिफाटक ब्रिज जैसे प्रमुख निर्माण कार्य पहले से कर रही है, जिससे इसके अनुभव को भी अहम माना जा रहा है. टेंडर के दस्तावेज जांचे जाने के बाद कंपनी को वर्क आर्डर जारी किया जएगा.

उज्जैन विकास की नई इबारत-मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जब एलिवेटेड ब्रिज की घोषणा की थी तो किसी ने सोचा नहीं था कि इतनी जल्दी योजना को अमलीजामा पहनाया जाएगा, अब यह दोनों ऐलिवेटेड ब्रिज उज्जैन शहर की नई इबारत लिखेंगे. सिंहस्थ के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी ट्रैफिक व्यवस्था को नए सिरे से व्यवस्थित करने की दिशा में बड़ा प्रयास है. प्रशासन का उद्देश्य है कि मुख्य मार्गों पर वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो, ताकि श्रद्धालुओं को जाम और लंबी प्रतीक्षा से राहत मिल सके.

पहला एलिवेटेड ब्रिज-योजना के तहत शहर के सबसे व्यस्त क्षेत्रों को जोड़ने के लिए दो अलग-अलग एलिवेटेड ब्रिज बनाए जाएंगे. पहला कॉरिडोर मकोड़ियाआम से हरिफाटक (फोरलेन) करीब 3.5 किलोमीटर लंबा यह मार्ग इंदिरानगर क्षेत्र से शुरू होकर इंदौर गेट होते हुए हरिफाटक तक पहुंचेगा. यह फोरलेन कॉरिडोर होगा और इसके नीचे सर्विस रोड विकसित की जाएगी, जिससे स्थानीय यातायात और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित न हो.

दूसरा ऐलिवेटेड ब्रिज-इंदौर गेट से निकास चौराहे तक लगभग 1.732 किलोमीटर लंबा यह ब्रिज पुराने शहर के घने बाजारों, नई सड़क, फव्वारा चौक और दौलतगंज—के ऊपर से निकलेगा. इससे इन क्षेत्रों में रोजाना लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है.

विकास और सुविधा का नया मॉडल

यह परियोजना केवल ट्रैफिक सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के समग्र विकास की दिशा में भी बड़ा कदम मानी जा रही है. इससे उज्जैन को एक आधुनिक शहर की पहचान मिलेगी और धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी. श्रद्धालुओं को रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और महाकाल मंदिर तक पहुंचने में पहले की तुलना में काफी आसानी होगी.

प्रशासन के सामने चुनौती

जहां एक ओर यह परियोजना शहर के लिए बड़ी राहत लेकर आएगी, वहीं निर्माण के दौरान यातायात प्रबंधन बड़ी चुनौती रहेगा. इसके लिए प्रशासन को प्रभावी ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू करना होगा, ताकि आमजन और व्यापारियों को कम से कम परेशानी हो.

18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य-प्रशासन ने निर्माण एजेंसी के लिए समयसीमा भी तय कर दी है. काम शुरू होने के बाद 18 महीनों में दोनों कॉरिडोर तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि सिंहस्थ-2028 से पहले यह पूरी तरह चालू हो सके.

15 से ज्यादा चौराहों पर मिलेगी राहत-वर्तमान में इंदिरानगर से हरिफाटक या पुराने शहर की ओर जाने वाले वाहन चालकों को कई प्रमुख और भीड़भाड़ वाले चौराहों, इंदौरगेट, देवासगेट, चामुंडा, चरक अस्पताल, कोयलाफाटक, गाड़ी अड्डा, चिमनगंज मंडी सहित अन्य मार्गों- से होकर गुजरना पड़ता है. एलिवेटेड ब्रिज बनने के बाद यह यात्रा बिना रुकावट और कम समय में पूरी हो सकेगी. इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि ईंधन खपत और प्रदूषण में भी कमी आएगी.

पुराना शहर होगा जाम मुक्त-निकास से हरिफाटक तक जाने वाले मार्ग पर तेलीवाड़ा, कंठाल, नई सड़क और दौलतगंज जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में रोजाना जाम की स्थिति बनती है. एलिवेटेड कॉरिडोर इन इलाकों के ऊपर से गुजरने के कारण स्थानीय बाजारों पर दबाव कम करेगा और यातायात दो स्तरों पर विभाजित हो जाएगा- ऊपर तेज रफ्तार, नीचे स्थानीय आवागमन.

तपिश के बीच मौसम का यू-टर्न

22 जिलों में लू का अलर्ट जारी

28 को बारिश की आशंका

भोपाल, 26 अप्रैल. मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट बदल ली है. राजधानी समेत कई शहरों मे कुछ समय के लिए बारिश हुई और उसके बाद फिर से उमस शुरू हो गई है. अगले तीन दिन गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं, लेकिन गर्मी का असर अभी बना रहेगा.

रविवार को कई शहरों तेज बारिश हुई, जबकि भोपाल के कई इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई.

सीहोर और रतलाम में भी अच्छी बारिश से लोगों को तपती गर्मी से राहत मिली, लेकिन यह राहत पूरे प्रदेश में एक जैसी नहीं है. एक तरफ जहां कुछ इलाकों में बादल और बारिश सक्रिय हैं, वहीं दूसरी ओर 22 जिलों में लू का अलर्ट जारी है. ग्वालियर, भिंड, दतिया, पन्ना, सतना, रायसेन, नर्मदापुरम, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, धार और अलीराजपुर सहित कई जिलों में गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही हैं.

खजुराहो प्रदेश का सबसे गर्म शहर

गर्मी के प्रकोप को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों के समय में बदलाव और छुट्टियां घोषित की गई हैं. भोपाल में 8वीं तक छुट्टी की घोषणा की गई है. 27 अप्रैल से अगले तीन दिन प्रदेश में आंधी-गरज के साथ बारिश का दौर जारी रह सकता है. 28-29 अप्रैल को ग्वालियर, चंबल, जबलपुर और सागर संभाग में बारिश और गरज-चमक की संभावना जताई गई है. छतरपुर के खजुराहो में तापमान 44.6 डिग्री तक पहुंच गया था, रतलाम, दतिया, धार और नौगांव में भी पारा 44 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया.

भिंड में घायल सांप के साथ क्रूरता का वीडियो वायरल, जांच शुरू

भिंड. मध्यप्रदेश में भिण्ड जिले के अटेर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनेलाल के पूरा में लगुन-टीका समारोह के दौरान घायल सांप के साथ क्रूरता का मामला सामने आया है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर वन विभाग ने जांच शुरू कर दी है. जानकारी के अनुसार समारोह के दौरान डीजे पर कार्यक्रम चल रहा था, तभी एक सांप वहां पहुंच गया जिसे ग्रामीणों ने पकड़ लिया. आरोप है कि भीम आर्मी से जुड़े एक स्थानीय नेता ने सांप को हाथ में लेकर उसका फन दबाकर लोगों के बीच प्रदर्शन किया. वीडियो में सांप के शरीर से खून बहता दिखाई दे रहा है.

महिला अधिकारों को लेकर कांग्रेस का मार्च

विशेष संवाददाता

भोपाल, 26 अप्रैल. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रविवार को राजधानी भोपाल में महिला अधिकारों को लेकर एक बड़ा पैदल मार्च आयोजित किया. कांग्रेस ने इस दौरान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर 'महिला विरोधी नीतियां' अपनाने और महिलाओं को सार्थक राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने में विफल रहने का आरोप लगाया.

यह मार्च प्लेटिनम प्लाज़ा से शुरू होकर टीनशेड, टॉप एंड टाउन और न्यू मार्केट जैसे प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए रोशनपुरा चौराहे पर समाप्त हुआ. प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर महिलाओं के मुद्दों की अनदेखी और उनके सशक्तिकरण के प्रति कथित उदासीनता का आरोप लगाया.

कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया सहित कई विधायक और पदाधिकारी शामिल हुए. इसके अलावा यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई और महिला कांग्रेस के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी रैली में शामिल रहे.

सभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा बुलाया गया विशेष विधानसभा सत्र महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति गंभीर नहीं है. उन्होंने लोकसभा की सभी 543 सीटों पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तत्काल लागू करने और मध्यप्रदेश विधानसभा में भी इसी तरह का प्रस्ताव पारित करने की मांग की.

वहीं, सिंघार ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर महिलाओं के मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस विधायक दल विधानसभा में महिला आरक्षण लागू करने के लिए अशासकीय संकल्प लाएगा और इसे केंद्र सरकार को भेजने की मांग करेगा.

महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी और पूर्व विधायक सुनीता पटेल ने भी महिला अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष की आवश्यकता पर जोर दिया. कांग्रेस ने दावा किया कि उसके पूर्ववर्ती शासनकाल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए गए, जबकि भाजपा पर महिला आरक्षण के मुद्दे पर नकारात्मक रुख अपनाने का आरोप लगाया गया.

राज्यभर में ड्रग माफियाओं पर कसा शिकंजा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 26 अप्रैल. मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत मध्यप्रदेश पुलिस ने बीते सात दिनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.38 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के ड्रग्स, वाहन, नकदी और अन्य सामग्री जब्त की है. इस समन्वित कार्रवाई में अवैध तस्करी, भंडारण और बिक्री में संलिप्त कई अंतर्राज्यीय तस्करों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है.

राज्य के विभिन्न जिलों में उल्लेखनीय सफलता मिली है. रीवा में पुलिस ने कोडीन युक्त कफ सिरप, गांजा और वाहन सहित 34 लाख रुपये से अधिक की जब्ती की. राजगढ़ में 'ऑपरेशन शुद्धि' के तहत स्मैक और केमिकल पाउडर लगभग 35 लाख रुपये मूल्य का बरामद किया गया. वहीं नीमच और मंदसौर में एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा की बड़ी खेप के साथ कई आरोपियों को पकड़ा गया.

1.38 करोड़ की जब्ती

बालाघाट में अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ कर नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. शिवपुरी, शहडोल, बैतूल और उज्जैन में भी लगातार कार्रवाई करते हुए पुलिस ने और जब्ती व गिरफ्तारियां कीं.

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नशे के खिलाफ यह अभियान 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत लगातार जारी रहेगा. आमजन से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें.

फर्जी सिम जारी करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़, 7 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, 26 अप्रैल. मध्यप्रदेश की राजधानी में भोपाल देहात पुलिस ने ऑपरेशन एफ.ए.सी.ई. के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी सिम जारी करने वाले संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया है. थाना बैरसिया, ईटखेड़ी पुलिस एवं साइबर क्राइम टीम की संयुक्त कार्रवाई में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में प्राप्त तकनीकी इनपुट और एआई आधारित फेस रिकग्निशन टूल के विश्लेषण में सामने आया कि एक ही व्यक्ति के चेहरे का उपयोग कर अलग-अलग नामों से बड़ी संख्या में सिम कार्ड जारी किए गए थे. जांच में यह भी पाया गया कि पीओएस एजेंट और डिस्ट्रीब्यूटर की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सिम सक्रिय किए गए, जिनका उपयोग आपराधिक गतिविधियों में होने की आशंका है.

पुलिस के अनुसार 91 से अधिक संदिग्ध सिम कार्ड चिन्हित किए गए हैं, जिनमें एक ही चेहरे से कई सिम जारी किए गए. ग्राहक आवेदन पत्र या तो उपलब्ध नहीं थे या फर्जी पाए गए, वहीं फोटो और पहचान सत्यापन में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं. कुछ सिम तीन वर्ष से अधिक पुराने होने के बावजूद दुरुपयोग में पाए गए.

सैनिक स्कूल का शुभारंभ

मुरैना, 26 अप्रैल. मध्य प्रदेश के मुरैना जिला मुख्यालय स्थित टीएसएस इंटरनेशनल स्कूल परिसर में करार के आधार पर नए सैनिक स्कूल का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि जितेंद्र कुमार माहेश्वरी ने कहा कि अब मुरैना के छात्र सेना में शीर्ष पदों तक पहुंच सकेंगे.

उन्होंने कहा कि चंबल की वीर भूमि मुरैना से बड़ी संख्या में युवा सेना में भर्ती होते रहे हैं, लेकिन अब तक अधिकांश लोग सूबेदार और मेजर पद तक ही पहुंच पाते थे. सैनिक स्कूल के प्रारंभ होने से यहां के छात्रों के लिए उच्च सैन्य पदों तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होगा. मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान में उपेंद्र द्विवेदी और दिनेश कुमार त्रिपाठी जैसे शीर्ष सैन्य अधिकारी मध्यप्रदेश के सैनिक स्कूल से शिक्षित हैं, जो प्रदेश के लिए गौरव की बात है.

चाकू मारकर हत्या, परिजनों ने किया शव रखकर चक्काजाम

जबलपुर. बरगी से लगे घुंसौर में कार हटाने को लेकर उपजे विवाद पर बदमाशों ने गोवर्धन की चाकू मारकर हत्या कर दी. इस घटना से गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने रविवार दोपहर लखनादौन- मंडला मार्ग पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. पुलिस के अनुसार गोवर्धन यादव देर रात बरोदा गांव के पास तिगड्डे से गुजर रहा था तो उसने देखा कि कुछ लोग अपनी कार बीच सड़क पर खड़ी कर शराब पी रहे थे.

भोपाल शौर्य यात्रा पर सियासी हलचल बढ़ी

भोपाल. राजधानी के जंबूरी मैदान में 28 अप्रैल को आयोजित होने वाली शौर्य यात्रा को आधिकारिक तौर पर स्वतंत्रता संग्राम और जनजातीय वीरों को सम्मान देने का कार्यक्रम बताया जा रहा है, लेकिन इसके राजनीतिक मायनों ने भी हलचल बढ़ा दी है. इस आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रहलाद पटेल और संभावित रूप से उमा भारती की मौजूदगी इसे लोधी समाज के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है. यह कार्यक्रम अखिल भारतीय लोधी, लोधा, लोध क्षत्रिय महासभा, नर्मदा टाइगर हिरदेशाह शोध संस्था और गोंड महासभा द्वारा आयोजित किया जा रहा है. मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि होंगे.

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा गिरोह का पर्दाफाश

भोपाल. राजधानी में भोपाल देहात पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच शातिर सटोरियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह मोबाइल फोन जब्त किए हैं और लाखों रुपये के डिजिटल लेन-देन का खुलासा हुआ है. पुलिस के अनुसार आरोपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सट्टा आईडी बनाकर लोगों को जोड़ते थे और उनसे पैसे लेकर क्रिकेट मैचों पर दांव लगवाते थे.

परीक्षा ▸ परीक्षा में थ्री लेयर सिक्योरिटी सिस्टम से गुजरना पड़ा परीक्षार्थियों को

54 जिलों के 365 केंद्रों पर संपन्न हुई एमपीपीएससी प्रीलिम्स

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 26 अप्रैल. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से राज्य सेवा और राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा रविवार को पूरे प्रदेश आयोजित की गई. जो कि प्रदेश भर के 54 जिलों के 365 केंद्रों पर संपन्न करा दी गई. परीक्षा निर्विघ्न रूप से संपन्न होने की सूचनाएं हैं.

बता दें पहली बार परीक्षा में सुरक्षा प्रणाली को कड़ा बनाने के लिये थ्री-लेयर सिक्योरिटी लागू की गई थी. जिसमें एडमिट कार्ड स्कैनिंग, मेटल डिटेक्टर और बायोमेट्रिक जांच भी शामिल रही. परीक्षा दो सत्रों में करायी गई. इस वजह से कुछ परीक्षार्थी वंचित रह गए. पहला सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2 बजकर 15 बजे से शाम 4 बजकर 15 बजे तक का रहा. जानकारी के अनुसार इस साल 155 पदों के लिए पूरे प्रदेश में लगभग 1.35 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया था.

30 मिनट पहले बंद हो गए गेट

परीक्षा केंद्रों के गेट परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले ही बंद कर दिए गये. इसके बाद किसी भी स्थिति में प्रवेश दिये जाने पर मनाही रही. बता दें इस बार प्रशासन ने पहले ही घोषणा में साफ कर दिया था कि देरी से पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने का मौका नहीं दिया जायेगा.

दोनों सत्रों में हुई सख्त जांच

अभ्यर्थियों ने केंद्र से परीक्षा देकर निकलते हुये बताया कि जांच केवल प्रवेश के समय ही नहीं, बल्कि दोनों सत्रों में की गई. इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों के बाहर प्रतिबंधित वस्तुओं की सूची भी लगाई गई थी. जिसमें सख्ती से पालन करने के निर्देश दिये गये थे. साथ ही फ्रिस्किंग के दौरान पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष स्टाफ और महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला स्टाफ द्वारा की गई.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60